अमर उजाला

रूपायन

शुक्रवार ■ 7 अक्तूबर 2022

क्या उत्सव के लिए तैयार है आपका घर?

मन, कर्म, वचन से समर्पण का व्रत

अंदर के पन्नों में

सौंदर्य। सेहत। परवरिश। कॉफी टेबल। फूड कॉर्नर। टैरो कार्ड

डॉ. रश्मि जैन
वास्तु विशेषज्ञ

त्योहार का मौसम आते ही अपने घर-प्रतिष्ठान की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई शुरू हो जाती है। उसके बाद शुरू होती है घर या प्रतिष्ठान की साज-सजावट। इसके लिए हम बाजार से तरह-तरह की चीजें लाते हैं। घर में पड़े पुराने सामानों को झाड़-पोंछकर फिर से सजाते हैं। लेकिन क्या हम इसमें वास्तु का ध्यान रखते हैं? क्यों न इस बार वास्तु के अनुसार घर की साज-सज्जा की जाए!

क्या उत्सव के लिए तैयार है आपका घर?

उत्साह, उल्लास, आशा और विश्वास के पर्व प्रकाश, ज्ञान, धन, समृद्धि और असत्य पर सत्य की विजय के प्रतीक हैं। फिर चाहे वो करवा चौथ हो, धनतेरस, प्रज्वलित दीपों का पर्व दीपावली या फिर भाई-दूज। इन उत्सवों को मनाने की तैयारी नवरात्रि के साथ ही शुरू हो जाती है। नृत्य, सजना-संवरना, ढेर सारी शॉपिंग करना, घर को सजाना-संवारना, घर को ही नहीं, बल्कि आस-पास के वातावरण को भी सुगंधित एवं प्रकाशित करना कुछ ऐसे कृत्य और भावनाएं हैं, जो इन त्योहारों को सबसे अनोखा बनाती हैं। इनमें जीकर, महसूस करके आप अपने समस्त तनाव को भूलकर परिवार के साथ, समाज के साथ खुशियां बांटती हैं और एक नए आर्थिक एवं सामाजिक सहयोग की शुरुआत कर अपने काम, कॅरिअर, व्यवसाय को नए आयाम प्रदान करती हैं। माता लक्ष्मी की कृपा हमेशा परिवार पर बनी रहे, असत्य पर सत्य की विजय हो, जीवन हमेशा खुशहाल रहे, कभी अवसाद न हो, इन्हीं भावनाओं के साथ हम सभी अपने घर, अपने व्यवसायिक प्रतिष्ठान को नए तरीके से सजाते-संवारते हैं। इस साफ-सफाई,

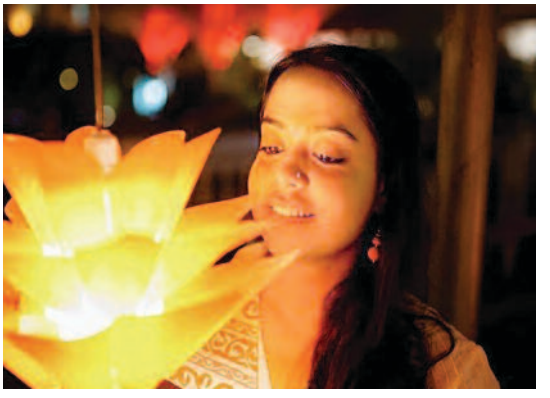

घर में खराब चीजें बनते हुए कामों में व्यवधान की तरफ संकेत करती हैं। इसलिए टूटी-फूटी चीजों और गमलों को हटा दें। सूखे पौधे और पीले पत्तों को भी हटाती रहें।

रंगाई-पुताई में यदि हम वास्तु के सामान्य नियमों का भी ध्यान रखें तो न सिर्फ अपने घर को खुशहाल बनाएंगे, बल्कि आस-पास के वातावरण को भी सकारात्मक ऊर्जा प्रदान कर सकेंगे। फलस्वरूप माता लक्ष्मी की कृपा हम पर बनी रहती है और हम सही समय पर सही निर्णय लेकर अपने काम, कॅरिअर या व्यापार को बढ़ा सकते हैं।

किसी भी ग्रह या प्रतिष्ठान में आंतरिक सज्जा का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। जब आंतरिक सज्जा वास्तु के अनुरूप चित्रार्षक और निवासकर्ता के अनुकूल समुचित प्रकार से की जाती है तो वास्तु निर्माण सफल माना जाता है। गृह-सज्जा से तात्पर्य मात्र भौतिक सुंदरता से ही नहीं है, बल्कि प्राकृतिक तत्व और शक्तियों के संतुलन-प्रबंधन तथा आध्यात्मिक उन्नति से युक्त भौतिक सुविधाओं की व्यवस्था करना भी है, जिससे हम सुखपूर्वक रह सकें। फेस्टिव सीजन के इस शुभ अवसर पर गृह-सज्जा से जुड़े कुछ ऐसे ही सामान्य और विशिष्ट सूत्र आपके साथ साझा किए जा रहे हैं, जो आपके घर को, आपकी जीवनचर्या को एक नया आयाम प्रदान कर सकते हैं-

- घर की दीवारों पर सीलन, उसमें पड़ी दरारें, दीवारों पर से उतरता हुआ पेंट, कोनों में जमी गंदगी आदि सभी नकारात्मक चीजें राहु की उपस्थिति को दर्शाती हैं। ऐसे घरों में प्रायः आपसी वाद-विवाद या मानसिक उलझन, असंतुष्टि देखी जा सकती है। त्योहारों के अवसर पर इन्हें अपने घर से विदा करें। साफ-सुथरी सीलन मुक्त दीवारों पर वास्तु अनुसार पेंट अवश्य करें। तेज रंग जैसे- लाल, नीला, काला आदि का उपयोग कम से कम करें। हल्के रंग जैसे- सफेद, क्रीम, हल्का पीला, हल्का हरा आदि सभी दिशाओं में शुभ परिणाम देते हैं।
- घर में टूटी-फूटी चीजों को बिल्कुल न रखें। घर में ज्यादा खराब चीजें बनते हुए कामों में व्यवधान की तरफ संकेत करती हैं। इसलिए जरूरत की वस्तुओं को ठीक करा लें और अन्य वस्तुओं को सफाई कर्मी को सौंप दें।
- घर से टूटे-फूटे गमले और सूखे हुए पौधे तथा पीले पत्तों को समय-समय पर हटाती रहें। इनकी जगह नए गमलों और पौधों को स्थान दें। हरी-भरी क्यारी और सुव्यवस्थित गमले आपके बच्चों की शैक्षिक योग्यताओं में वृद्धि की तरफ संकेत करते हैं।
- घर का मुख्य द्वार अतिथि के लिए पहले परिचय के समान होता है। इसलिए उसका सुंदर होना, स्वच्छ होना, उस पर किसी शुभ चिह्न का बना होना अत्यंत शुभ होता है। फेस्टिव सीजन में घर के मुख्य द्वार के ऊपर शुभ बंधनवार अवश्य लगाएं। द्वार के सामने रंगोली बनाना माता लक्ष्मी के स्वागत का अभिन्न अंग माना गया है।
- घर का पूजा घर आपके आराध्य देवताओं का निवास स्थल है, जहां आप पूरे वर्ष श्रद्धा एवं भक्ति से उनका नमन, स्तवन करती हैं। इसे पूरी तरह साफ-सुथरा और सुगंधित रखें। पूजा घर की दीवारों पर हल्के रंग जैसे- हल्का पीला, हल्का हरा या क्रीम कलर का पेंट कराएं। रोजाना सुबह मंत्रोच्चार और संध्या आरती घर में विद्यमान वास्तु दोषों को शांत करने की अद्भुत क्षमता रखती है।
- रसोई घर आपके घर का पोषण है। वहां बना शुद्ध और सुरुचिपूर्ण भोजन ही आपको सेहत तथा कार्य करने की अद्भुत क्षमता प्रदान करता है। जहां तक संभव हो, रसोई घर में फॉल्स सीलिंग से बचें। दीवारों पर हल्का नीला या तेज नीला रंग न कराएं। हल्के रंगों का पेंट कराएं। जहां तक संभव हो, रात में भोजन के बाद जूठे बर्तन साफ कर दें। यदि यह संभव न हो तो जूठन उतारकर ही बर्तन सिंक में इकट्ठा करें।
- शयन कक्ष में बिना बॉक्स वाला बेड अधिक शुभ होता है। जगह की कमी की वजह से यदि यह बेड बॉक्स वाला है तो बेड के भीतर बर्तन, किताबें, अनाज वगैरह भूलकर भी न रखें। इनके होने से अनिद्रा और अधिक स्वप्न आने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। बिछाने या ओढ़ने वाले कपड़े रखे जा सकते हैं।
- बेडरूम की सज्जा करते समय यह सुनिश्चित करें कि सोते हुए व्यक्ति का प्रतिबिंब दर्पण में न दिखे। साथ ही जरूरत के समय खिड़कियों से निर्बाध हवा का संचार कमरे में हो सके।
- घर के अंदर से डर या भय पैदा करने वाले चित्रों और वियोग प्रदर्शित करने वाले चित्रों या पेंटिंग्स को हटा दें।

पृथ्वी और वायु तत्व

फेस्टिव सीजन में इस बार यह भी सुनिश्चित करें कि घर के साथ आस-पास का वातावरण भी स्वच्छ रहे। घर से निकाले गए कचरे को ठीक प्रकार से सफाई कर्मी को सौंपने से भी जीवन में स्थायित्व आता है। यह भावना आपके पृथ्वी तत्व और वायु तत्व को दृढ़ बनाती है। जहां तक संभव हो, राक्षसी वृत्तियों का त्याग करने का प्रण करें। जैसे- मल मूत्र त्यागने के बाद हाथ न धोना, पैर फैलाकर खाना, खाने के बाद हाथ न धोना, संध्याकाल में कलह या क्रोध करना, पराए धन के प्रति आकृष्ट होना, थाली में जूठन छोड़ना, नौकरों से कठोर व्यवहार करना, बुजुर्गों का अपमान करना और ईंधन व जल की बर्बादी करना आदि।